

आईटीएस डेन्टल कॉलेज में मनाया विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस

मनस्वी वाणी संवाददाता

मुरादनगर दिल्लीमेरठ रोड स्थित आईटीएस डेन्टल कॉलेज में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया गया। जिसका विषय एक असमान दुनिया में मानसिक स्वास्थ्य था। मानसिक तनाव, चिंता और डिप्रेशन की वजह से दुनिया में बहुत सारे लोग सोशल स्टिग्मा, डिमेंशिया, हिस्टिरिया, एजाइटी आत्महीनता जैसी कई तरह की दिक्कतों और मानसिक बीमारियों से जूझ रहे हैं। इन दिक्कतों की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करने और लोगों के बीच जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। जिससे लोग



मानसिक दिक्कतों और बीमारियों के प्रति जागरूक हो और समय रहते अपना इलाज करवा सकें इस अवसर पर आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ० आरपी चड्ढा एवं वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर उन्होंने अच्छी मानसिक भलाई के महत्व पर अपने-अपने विचार व्यक्त

किए। आईटीएस - द एजुकेशन ग्रुप ने मानसिक स्वास्थ्य पर जागरूकता बढ़ाने के लिए इस क्षेत्र में हमेशा काम किया है। किसी भी कार्य को आसानी से और जल्दी पूरा करने के लिए व अधिक स्थिर और मजबूत बनाने के लिए हर प्रकार के लोगों के स्वास्थ्य की देखभाल करना महत्वपूर्ण है। संस्थान हमेशा समुदाय के समग्र

विकास पर विश्वास करता है और जरूरतों को पूरा करने के लिए रणनीतियों की योजना बनाता है तथा जरूरतमंदों को मौखिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करता है और आउटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से समुदाय को इस क्षेत्र में जागरूकता प्रदान करता है। इस मौके पर संस्थान की डेन्टल ओपीडी में आये मरीजों को अच्छे मानसिक स्वास्थ्य के महत्व, इससे जुड़े कुछ मुद्दों और इसे बनाये रखने के लिए क्या अपनाना चाहिए के बारे में जागरूक किया गया। इसके साथ ही संस्थान द्वारा फारूखनगर, गाजियाबाद में दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जहां मरीजों को अच्छे मानसिक स्वास्थ्य के महत्व के बारे में जागरूक किया गया।

आईटीएस डेंटल कॉलेज ने मनाया विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार मानसिक विकारों से अनुमानित 450 मिलियन लोग पीड़ित

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा एवं वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के मार्गदर्शन से आईटीएस डेंटल कॉलेज गाजियाबाद में 11 अक्टूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया गया, जिसका विषय एक असमान दुनिया में मानसिक स्वास्थ्य था। मानसिक तनाव, चिंता और डिप्रेशन की दजह से दुनिया में बहुत सारे लोग सोशल स्ट्रिमा, डिमेंशिया, हिस्टिरिया, एग्जाइटी आत्महीनता जैसी कई तरह की दिक्कतों और मानसिक बीमारियों से जूझ रहे हैं। इन समस्याओं के प्रति जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। इस अवसर चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा एवं वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने अपने विचार प्रकट किये जिसमें उन्होंने बताया कि विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर उन्होंने अच्छी मानसिक भलाई के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप ने मानसिक स्वास्थ्य पर जागरूकता बढ़ाने के लिए इस क्षेत्र में हमेशा काम किया है। किसी भी कार्य को आसानी से और जल्दी पूरा करने के लिए व अधिक स्थिर और मजबूत बनाने के लिए हर प्रकार के लोगों के स्वास्थ्य की देखभाल करना महत्वपूर्ण है। संस्थान हमेशा समुदाय के समग्र विकास पर विश्वास करता है तथा जरूरतमंदों को मौखिक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करता है। आउटरीच



कार्यक्रमों के माध्यम से इस समुदाय को इस क्षेत्र में जागरूकता प्रदान करता है।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस विश्व स्वास्थ्य संगठन और विश्व मानसिक स्वास्थ्य महासंघ द्वारा मानसिक बीमारियों के प्रति जागरूकता फैलाने और अपने मन का आत्मनिरीक्षण करके अपने व्यक्तित्व विकारों व मानसिक विकृतियों को सक्रिय रूप से पहचानने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 10 अक्टूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पूरी दुनिया में मनाया जाता है। इस दिन पूरे विश्व के सरकारी और सामाजिक संगठनों द्वारा तनाव मुक्ति विषय पर कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, मानसिक विकारों से पीड़ित व्यक्तियों की अनुमानित संख्या 450 मिलियन है। भारत में लगभग 1.5 मिलियन

व्यक्ति, जिनमें बच्चे एवं किशोर भी शामिल हैं, गंभीर मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से प्रभावित हैं। मानसिक बीमारी व्यक्ति के महसूस, सोचने एवं काम करने के तरीके को प्रभावित करती है। यह रोग व्यक्ति के मनोयोग, स्वभाव, ध्यान और संयोजन एवं बातचीत करने की क्षमता में समस्या पैदा करता है। अतः व्यक्ति असामान्य व्यवहार का शिकार हो जाता है। भारत सरकार ने देश में मानसिक बीमारी के बढ़ते बोझ पर विचार करने के उद्देश्य से वर्ष 1982 में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम की शुरुआत की थी। इस मौके पर संस्थान की डेंटल ओपीडी में आये मरीजों को अच्छे मानसिक स्वास्थ्य के विषय में जागरूक किया गया। इसके साथ ही संस्थान द्वारा फाखरखनगर, गाजियाबाद में दंत चिकित्सा शिविर

का आयोजन किया गया, जहां मरीजों को अच्छे मानसिक स्वास्थ्य के महत्व के बारे में जागरूक किया गया और शिविर स्थल पर स्केलिंग, फिलिंग और दांत निकालने जैसे बुनियादी उपचार किये गये। इसके साथ ही डॉ निधि गुप्ता मनोवैज्ञानिक के द्वारा एक लाइव वेबिनार आयोजित किया गया। सभी दंत चिकित्सक और छात्रों ने इस वेबिनार में भाग लिया। अंत में इंटरएक्टिव सत्र हुआ जिसमें सभी प्रश्नों के जवाब डॉ अनुभव द्वारा दिए गये। इस कार्यक्रम के आयोजन के लिये सभी प्रतिभागियों ने आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

आई.टी.एस. डेन्टल कॉलेज में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया



जन सागर टुडे (सं)

मुरादनगर। आई.टी.एस.-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ० आर०पी० चड्ढा एवं वाईस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा के कुशल मार्गदर्शन से आई०टी०एस० डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया गया। जिसका विषय एक असमान दुनिया में मानसिक स्वास्थ्य था। मानसिक तनाव, चिंता और डिप्रेशन की वजह से दुनिया में बहुत सारे लोग सोशल स्टिग्मा, डिमेंशिया, हिस्टिरिया, एग्जाइटी आत्महीनता जैसी कई तरह की दिक्कतों और मानसिक बीमारियों से जूझ रहे हैं। इन दिक्कतों की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करने और लोगों के बीच जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। जिससे लोग मानसिक दिक्कतों और बीमारियों के प्रति जागरूक हो और समय रहते अपना इलाज करवा सकें।

इस अवसर पर आई.टी.एस.-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ० आर.पी. चड्ढा एवं वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा ने अपने

विचार प्रकट किये। जिसमें उन्होंने बताया कि विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर उन्होंने अच्छी मानसिक भलाई के महत्व पर अपने-अपने विचार व्यक्त किए। आई.टी.एस.-द एजुकेशन ग्रुप ने मानसिक स्वास्थ्य पर जागरूकता बढ़ाने के लिए इस क्षेत्र में हमेशा काम किया है। किसी भी कार्य को आसानी से और जल्दी पूरा करने के लिए व अधिक स्थिर और मजबूत बनाने के लिए हर प्रकार के लोगों के स्वास्थ्य की देखभाल करना महत्वपूर्ण है। संस्थान हमेशा समुदाय के समग्र विकास पर विश्वास करता है और जरूरतों को पूरा करने के लिए रणनीतियों की योजना बनाता है तथा जरूरतमंदों को मौखिक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करता है और आउटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से समुदाय को इस क्षेत्र में जागरूकता प्रदान करता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, मानसिक विकारों से पीड़ित व्यक्तियों की अनुमानित संख्या 450 मिलियन है। भारत में लगभग 1.5 मिलियन व्यक्ति, जिनमें बच्चे एवं किशोर भी

शामिल हैं, गंभीर मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से प्रभावित हैं। मानसिक बीमारी व्यक्ति के महसूस, सोचने एवं काम करने के तरीके को प्रभावित करती है। यह रोग व्यक्ति के मनोयोग, स्वभाव, ध्यान और संयोजन एवं बातचीत करने की क्षमता में समस्या पैदा करता है। अंततः व्यक्ति असामान्य व्यवहार का शिकार हो जाता है। उसे दैनिक जीवन के कार्यकलापों के लिए भी संघर्ष करना पड़ता है, जिसके कारण यह गंभीर समस्या स्वास्थ्य चिंता का विषय बन गयी है, इसलिए भारत सरकार ने देश में मानसिक बीमारी के बढ़ते बोझ पर विचार करने के उद्देश्य से वर्ष 1982 में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम की शुरुआत की थी।

इस मौके पर संस्थान की डेन्टल ओ.पी.डी. में आये मरीजों को अच्छे मानसिक स्वास्थ्य के महत्व, इससे जुड़े कुछ मुद्दों और इसे बनाये रखने के लिए क्या अपनाना चाहिए के बारे में जागरूक किया गया। इसके साथ ही संस्थान द्वारा फारूखनगर, गाजियाबाद में दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जहाँ मरीजों को अच्छे मानसिक स्वास्थ्य के महत्व के बारे में जागरूक किया गया और शिविर स्थल पर स्केलिंग, फिलिंग और दाँत निकालने जैसे बुनियादी उपचार किये गये।

इस सफल कार्यक्रम के आयोजन के लिये सभी प्रतिभागियों ने आई.टी.एस.-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ० आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

आई0टी0एस0 डेन्टल कॉलेज मे विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया

धारा न्यूज संवाददाता
गाजियाबाद। आई0टी0एस0-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ0 आर0पी0 चड्ढा एवं वाईस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा के कुशल मार्गदर्शन से आई0टी0एस0 डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद में दिनांक 11 अक्टूबर, 2021 को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया गया। जिसका विषय एक असमान दुनिया में मानसिक स्वास्थ्य था। मानसिक तनाव, चिंता और डिप्रेशन की वजह से दुनिया में बहुत सारे लोग सोशल स्टिग्मा, डिमेशिया, हिस्टिरिया, एजाइटी आत्महीनता जैसी कई तरह की दिक्कतों और मानसिक बीमारियों से जूझ रहे हैं। इन दिक्कतों की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करने और लोगों के बीच जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से विश्व

मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। जिससे लोग मानसिक दिक्कतों और बीमारियों के प्रति जागरूक हो और समय रहते अपना इलाज करवा सकें। इस अवसर पर आई0टी0एस0-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ0 आर0पी0 चड्ढा एवं वाईस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा ने अपने विचार प्रकट किये जिसमें उन्होंने बताया कि विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर उन्होंने अच्छी मानसिक भलाई के महत्व पर अपने-अपने विचार व्यक्त किए। आई0टी0एस0 - द एजुकेशन ग्रुप ने मानसिक स्वास्थ्य पर जागरूकता बढ़ाने के लिए इस क्षेत्र में हमेशा काम किया है। किसी भी कार्य को आसानी से और जल्दी पूरा करने के लिए व अधिक स्थिर और मजबूत बनाने के लिए हर प्रकार के लोगों के

स्वास्थ्य को देखभाल करना महत्वपूर्ण है। संस्थान हमेशा समुदाय के समग्र विकास पर विश्वास करता है और जरूरतों को पूरा करने के लिए रणनीतियों की योजना बनाता है तथा जरूरतमंदों को मौखिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करता है और आउटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से समुदाय को इस क्षेत्र में जागरूकता प्रदान करता है।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पहली बार वर्ष 1992 में मनाया गया था। विश्व स्वास्थ्य संगठन और विश्व मानसिक स्वास्थ्य महासंघ द्वारा मानसिक बीमारियों के प्रति जागरूकता फैलाने और अपने मन का आत्मनिरीक्षण करके अपने व्यक्तित्व विकारों व मानसिक विकृतियों को सक्रिय रूप से पहचानने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 10 अक्टूबर को विश्व

मानसिक स्वास्थ्य दिवस पूरी दुनिया में मनाया जाता है। इस दिन पूरे विश्व के सरकारी और सामाजिक संगठनों द्वारा तनावमुक्ति विषय पर कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, मानसिक विकारों से पीड़ित व्यक्तियों की अनुमानित संख्या 450 मिलियन है। भारत में लगभग 1.5 मिलियन व्यक्ति, जिनमें बच्चे एवं किशोर भी शामिल हैं, गंभीर मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से प्रभावित हैं। मानसिक बीमारी व्यक्ति के महसूस, सोचने एवं काम करने के तरीके को प्रभावित करती है। यह रोग व्यक्ति के मनोयोग, स्वभाव, ध्यान और संयोजन एवं बातचीत करने की क्षमता में समस्या पैदा करता है। अंततः व्यक्ति असामान्य व्यवहार का शिकार हो जाता है।

आईटीएस कॉलेज में मानसिक स्वास्थ्य पर विचार गोष्ठी



मोदीनगर। सोमवार को मानसिक स्वास्थ्य दिवस के मौके पर आईटीएस कॉलेज में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में वक्ताओं ने मानसिक स्वास्थ्य के बारे में छात्रों को जागरूक किया। ऑनलाइन माध्यम से आयोजित गोष्ठी का उद्घाटन कॉलेज के वीसी अर्पित चड्ढा ने किया। मानसिक स्वास्थ्य विषय पर आयोजित गोष्ठी में देश-विदेश के वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। गोष्ठी को संबोधित करते हुए अर्पित चड्ढा ने कहा कि मानसिक तनाव, चिंता और डिप्रेशन की वजह से दुनिया में बहुत सारे लोग सोशल स्टिग्मा, डिमेंशिया, हिस्टिरिया, एग्जाइटी आत्महीनता जैसी कई तरह की दिक्कतों और मानसिक बीमारियों से जूझ रहे हैं। इन दिक्कतों की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करने और लोगों के बीच जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है, जिससे लोग मानसिक दिक्कतों और बीमारियों के प्रति जागरूक हो और समय रहते अपना इलाज करवा सकें। इस मौके पर मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञा डा निधि गुप्ता ने छात्रों को जागरूक किया और उसके प्रश्नों के उत्तर दिए।